

शहडोल/ उमरिया/ सिंगरौली

नाले में डूबने से मासूम की मौत, गांव में छाया मातम

सलेहा, देशबन्धु। ग्राम नचने में तब मातम छा गया जब शनिवार को नरवा के पास खेल रहे 10 वर्षीय बालक हनी के पानी में डूबने की खबर मिली। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों द्वारा 10 वर्षीय मासूम हनी को मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हनी दो अन्य बच्चों के साथ नरवा के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह वहां बने गहरे पानी के गड्ढे में डूब गया। साथ मौजूद दोनों बच्चे घबरा गए और घटना की जानकारी परिजनों को दी।

परिजनों ने मौके पर पहुंचकर बालक की तलाश की। परिवारजनों के मुताबिक जब हनी को पानी से बाहर निकाला गया, तब उसकी सांस चल रही थी। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उसकी सांस थम



गई। दस वर्षीय बालक की मौत की सूचना मिलते ही समूचे क्षेत्र में मातम सा पसर गया।

हनी के पिता जोगिदा और माता राजकुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद परिजनों के साथ सरपंच प्रतिनिधि रामबहोरी विश्वकर्मा भी अस्पताल में मौजूद रहे और परिवार को ढाँढस बंधाया। घटना की सूचना मिलने पर

सलेहा पुलिस के प्रधान आरक्षक विपिन पांडे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना की लिखापढ़ी एवं आवश्यक पुलिस कार्रवाई की। शाम अधिक होने के कारण शव को मर्चरी में रखवाया गया है। रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया जहां पर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

बालूपुर में विस्थापित परिवारों की नवीन बस्ती का किया निरीक्षण

पन्ना, देशबन्धु। अजयगढ़ एसडीएम आलोक मार्को द्वारा टीम के साथ शनिवार को मझगाँव मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत ग्राम बालूपुर में विस्थापित परिवारों की नवीन बस्ती का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्युत सप्लाई व्यवस्था ठीक करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही आंगनवाड़ी और स्कूल के लिए भी शासकीय भूमि चिह्नकित की गई।

बांध के रिसाव को रोकने के लिए जल संसाधन विभाग की शीघ्र ढ़ूनेज निर्माण कार्य शुरू करवाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा 43 विस्थापित परिवारों के लिए स्वीकृत साढ़े 7 लाख रूपए की अतिरिक्त पुनर्वास राशि की सूची का ग्रामीणों के समक्ष वाचन किया गया। इस दौरान शेष परिवारों से सहमति पत्र व संयुक्त खाता तत्काल सचिव और रोजगार सहायक को देने का आग्रह किया गया, जिससे निर्धारित राशि का भुगतान अविलंब बैंक खातों में किया जा सके।

जेल में सात दिन अनशन के बाद अमित भटनागर भर्ती, प्रशासन ने गंभीर स्थिति बताते हुए रीवा भेजा

ग्रामीण बोले-आंदोलन को दबाने का हथकंडा

पन्ना, देशबन्धु। मझगाँव डैम परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के मुआवजे और पुनर्वास की मांग को लेकर 'चिता आंदोलन' सोमवार को 24वें दिन भी जारी है। आंदोलन में शामिल जनअधिकार कार्यकर्ता अमित भटनागर को पन्ना जेल में 7 दिन के आमरण अनशन के बाद रीवा के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन के मुताबिक उन्हें बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जबकि भटनागर ने इसे अनशन खत्म कराने की कोशिश बताया है।

अस्पताल से भी अनशन जारी रखने की बात कही

प्रशासन सोचता है कि जगह बदलने से आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। यह अस्पताल में जबरन भर्ती करवा है, अनशन तुड़वाने की साजिश है। जब



तक मझगाँव डैम से प्रभावित एक-एक आदिवासी परिवार, महिला और किसान को उनका पूरा मुआवजा और पुनर्वास का हक नहीं मिल जाता, तब तक अस्पताल के बेड से भी मेरा आमरण अनशन जारी रहेगा। भटनागर ने अस्पताल में भर्ती किए जाने को लेकर प्रशासन पर अनशन तुड़वाने की कोशिश का आरोप लगाया है।

अमित भटनागर की गिरफ्तारी से गहराया आंदोलन-

जय किसान संघ ने बताया कि प्रशासन का दावा है कि भटनागर के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए रीवा भेजा गया है, जबकि भटनागर का कहना है कि वे

पूरी तरह स्वस्थ हैं और प्रशासन आंदोलन का दबाव कम करने के लिए यह हथकंडे अपना रहा है। अमित भटनागर की गिरफ्तारी और फिर अस्पताल शिफ्ट किए जाने के बाद से पूरे क्षेत्र में जनआक्रोश और गहरा गया है।

ग्रामीण बोले- जब तक समाधान नहीं तब तक धरना जारी रहेगा-

आंदोलन के 24वें दिन मझगाँव डैम स्थल पर प्रभावित ग्रामीणों का धरना और प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आंदोलन के प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी और भटनागर को अस्पताल भेजे जाने से उनकी मांगों को लेकर संघर्ष कमजोर नहीं होगा।

वाह रे सिस्टम, 3 नोटिस के बाद भी निर्माण पूरा!

नपा की एनओसी नहीं, कई शिकायतें और फिर भी निर्माण पूरा, विराट मंदिर के पीछे सिस्टम पर सवाल

शहडोल, देशबन्धु। ऐतिहासिक विराट की सुरक्षा और उसके आसपास लागू निर्माण प्रतिबंधों के बीच सरकारी जमीन पर कथित रूप से तैयार हुए पक्के माकन को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंदिर के पीछे सरकारी खसरा नंबर 437/3/1 पर निर्माण होने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर कई शिकायतें किए जाने का दावा है, लेकिन शिकायतकर्ताओं के अनुसार नगर पालिका के अधिकारी, कलेक्टर और कमिश्नर स्तर तक मामला पहुंचने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय मामले को लंबित करते रहे और देखते ही देखते सरकारी जमीन पर कब्जा कर भवन तैयार हो गया।

मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह क्षेत्र ऐतिहासिक विराटेश्वर मंदिर के आसपास स्थित है। 10वीं-11वीं शताब्दी में कलचुरी काल में निर्मित विराट मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में है। संरक्षित स्मारक के आसपास निर्माण को लेकर निर्धारित नियम और अनुमति की प्रक्रिया लागू होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रतिबंधित क्षेत्र के आसपास निर्माण की शुरुआत से लेकर भवन तैयार होने तक संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था आखिर कहाँ थी?

शिकायतें होती रहीं, निर्माण बढ़ता गया- निर्माण को लेकर समय-समय पर शिकायतें की गईं। शिकायतों में सरकारी भूमि पर कथित कब्जे, भवन निर्माण की अनुमति और ऐतिहासिक स्मारक पर प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण जैसे मुद्दे उठाए गए। इसके बावजूद निर्माण नहीं रुका। शिकायतकर्ताओं का आरोप



है कि एक तरफ वे लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगाते रहे, दूसरी तरफ निर्माण कार्य लगातार आगे बढ़ता रहा। नगर पालिका से लेकर जिला प्रशासन और संभागीय स्तर तक शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किसके संरक्षण या लापरवाही से निर्माण पूरा होने तक स्थिति पहुंची।

नपा की एनओसी नहीं तो भवन कैसे तैयार हुआ?-मामले में सबसे बड़ा सवाल नगर पालिका की भवन शाखा को लेकर है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संबंधित भवन के लिए नगर पालिका से एनओसी अथवा भवन निर्माण अनुमति जारी नहीं होने की बात सामने आ रही है। यदि अनुमति नहीं थी तो निर्माण की शुरुआत में ही उसे रोकने की कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

बताया जा रहा है कि भवन को लेकर तहसीलदार द्वारा 3 नोटिस भी जारी किए गए थे। यदि तीन-तीन नोटिस दिए जाने के बावजूद भवन आज भी खड़ा है, तो नोटिस के

बाद कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या केवल नोटिस जारी करना ही तहसील की जिम्मेदारी है या नियम विरुद्ध निर्माण को रोकना और नियमानुसार कार्रवाई करना भी उसकी जिम्मेदारी है?

कलेक्टर के पत्र के बाद भी जांच अधूरी-मामले में 28 मार्च 2025 को कलेक्टर की ओर से पत्र क्रमांक 641 के माध्यम से तहसीलदार सोहागपुर को जांच के लिए पत्र भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। लेकिन शिकायतकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय बाद भी जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं हुई। यदि सरकारी जमीन पर कब्जा और निर्माण की शिकायत पर जांच के निर्देश दिए गए थे, तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं हुई और निर्माण पर रोक क्यों नहीं लगाई गई? यही वजह है कि अब शिकायतकर्ता नगर पालिका के साथ-साथ राजस्व और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा रहे हैं।

बिजली कनेक्शन ने बढ़ाए सवाल-भवन में बिजली कनेक्शन लग जाने की बात सामने

आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। जब नगर पालिका की ओर से भवन निर्माण की एनओसी नहीं होने की बात कही जा रही है, तो बिजली कनेक्शन किस आधार पर जारी हुआ? कनेक्शन से पहले संबंधित दस्तावेजों और भवन की वैधता की जांच किस स्तर पर की गई? यह भी जांच का विषय है।

धरोहर के पीछे निर्माण, संरक्षण व्यवस्था पर सवाल-विराट मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि शहडोल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके आसपास सरकारी जमीन पर कथित कब्जा और पक्का निर्माण होना धरोहर संरक्षण व्यवस्था के लिए भी गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते शिकायतों पर कार्रवाई होती तो निर्माण को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सकता था। शिकायतें होती रहीं, अधिकारी बदलते रहे, फाइलें आगे बढ़ती रहीं, लेकिन निर्माण भी उसी गति से बढ़ता रहा और अंततः सरकारी जमीन पर पका माकन खड़ा हो गया।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया या फिर कार्रवाई जानबूझकर टाली गई? नगर पालिका, राजस्व विभाग, जिला प्रशासन, कमिश्नर कार्यालय, एएसआई और बिजली कंपनी की भूमिका की निष्पक्ष जांच होने पर ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी ?

कलेक्टर पार्थ जायसवाल से फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वृद्धाश्रम में किया योगाभ्यास, रोपे फलदार पौधे

भारत विकास परिषद ने वृद्धजनों का किया सम्मान, फल-वस्त्र वितरित कर समयदान का दिया सदेश

शहडोल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुए सेवा संकल्प अभियान के तहत भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा द्वारा जिला प्रशासन के सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से वृद्धाश्रम में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिषद के सदस्यों ने वृद्धजनों का सम्मान करते हुए उन्हें फल एवं वस्त्र वितरित किए। इस दौरान वृद्धजनों को सूक्ष्म योगाभ्यास और फिजियोथैरेपी के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी अभ्यास भी कराए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक मुद्रिका सिंह ने कहा कि वृद्धजनों के साथ समय बिताना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समयदान की आवश्यकता है। लोगों को अपने व्यस्त जीवन से कुछ समय निकालकर बुजुर्गों के साथ बिताना चाहिए। इसके बाद उन्होंने परिषद के सदस्यों के साथ वृद्धाश्रम परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

परिषद के क्षेत्रीय संयोजक संपर्क एसएस जौहरी ने कहा कि वृद्धजनों के लिए सूक्ष्म योगाभ्यास और फिजियोथैरेपी उपयोगी है। इससे उन्हें दैनिक जीवन में सक्रिय रहने में सहायता मिल सकती है। उन्होंने आगामी शीत ऋतु को देखते हुए वृद्धजनों को नियमित रूप से सक्रिय रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम की शुरुआत परिषद की सचिव नीति



सिंघल द्वारा वृद्धजनों को सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराने के साथ हुई। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दीपक प्रजापति ने वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक अभ्यास बताए। परिषद अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत किया। प्रांतीय पदाधिकारी रविंद्र गुप्ता ने वृद्धजनों को समर्पित कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में परिषद सदस्य अखिलेश शर्मा ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग के सहायक संचालक गजेंद्र द्विवेदी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, राकेश खरे, डॉ. सुशील सिंघल, डॉ. ओपी चौधरी, अशोक सराफ, विजय दुबे, अशोक मोर, भारती गुप्ता, जितेंद्र मिश्रा, गौरव मिश्रा, अजय शर्मा सहित परिषद के सदस्य एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

महिला से मारपीट, बाल खींचे, ईट से हमला

उमरिया, देशबन्धु। जिला मुख्यालय उमरिया के वार्ड क्रमांक 11 में पारिवारिक विवाद के दौरान महिला के साथ कथित मारपीट गाली-गलौज और ईट से हमला करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस द्वारा 29 सितंबर को एनसीआर दर्ज कर लिया है। दस्तावेज के अनुसार प्रकरण गैर-संज्ञेय अपराध के रूप में दर्ज हुआ है।

शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि घटना के दौरान उसके साथ गाली-गलौज की गई तथा ईट उठाकर हमला करने का प्रयास किया गया। शिकायत में बाल खींचने और लाठी से कमर के पास मारने का भी आरोप लगाया गया है। महिला के अनुसार विवाद के दौरान उसे अपमानित करने के साथ शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

पुलिस दस्तावेज में आरोपियों के रूप में तरन्ना बेगम और शब्बो शरीफ के नाम दर्ज हैं। दोनों का पता भी वार्ड क्रमांक 11 उमरिया दर्शाया गया है। शिकायतकर्ता ने घटना के संबंध में कार्रवाई की मांग की है।

सौरभ शुक्ला बने सांसद प्रतिनिधि



शुक्ला निवासी वार्ड नंबर 13 ब्यौहारी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया। महाविद्यालय में होने वाली प्रशासनिक बैठकों में सांसद प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित होंगे उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं उनके शुभचिंतकों ने खुशी व्यक्त की है।

सेवा यात्रा का स्वागत से विदाई तक सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने की सहभागिता



सिंगरौली, देशबन्धु। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा क्रमांक तीन ' में पथारे सेवा यात्रियों के स्वागत से लेकर उत्तर प्रदेश के लिए विदाई तक सांसद डॉ. राजेश मिश्रा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। कार्यक्रमों की शुरुआत सिंगरौली जिले के खैरपुर से हुई, जहां सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सेवा यात्रियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष देवकुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके बाद चितरंगी विधानसभा अंतर्गत ग्राम लोहदा में सेवा यात्रियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके पश्चात ग्राम पंचायत नौडिहवा, जनपद पंचायत चितरंगी में सेवा यात्रियों के साथ सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भोजन किया। उन्होंने स्वयं सेवा यात्रियों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर भोजन किया। भोजन के बाद सेवा यात्रियों को सम्मानित कर उनका अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रमों के अंतिम चरण में झरकटा बॉर्डर पर 'वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा' में शामिल सेवा यात्रियों को उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सेवा यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी मंगलमय एवं सफल यात्रा की कामना की और सीधी लोकसभा क्षेत्र से उत्तर प्रदेश की ओर प्रस्थान करने पर उन्हें आत्मीय विदाई दी। सेवा यात्रा के दौरान स्वागत, संवाद, सहभोज, सम्मान और विदाई के विभिन्न अवसरों पर जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता रही।